Shikshan Sanshodhan : Journal of Arts, Humanities and Social Sciences ISSN(o): 2581-6241
Monthly, Peer-Reviewed, Refereed, Indexed Journal Impact Factor: 7.384
Volume - 8, Issue - 6, June - 2025

DOIs:10.2018/SS/202506004 --:-- Research Paper / Article / Review

जी-२० और मृदुला गर्ग के उपन्यासों में नारी सशक्तिकरण

ऋषिभा लाम्बा
JVR-I/२२/१००५९, हिंदी विभाग, ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर (राजस्थान)
ईमेल: drrishibhalamba@gmail.com

शोध-सारांश: ९ और १० सितंबर २०२३ को शासनाध्यक्ष स्तर पर जी-२० शिखर सम्मेलन नेताओं की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित किया गया। जी-२० यानी "ग्रुप ऑफ ट्वेंटी" अर्थात अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का प्रमुख मंच। जी-२० सम्मेलन के दौरान वैश्विक, आर्थिक, एवं सामाजिक विकास के मुद्दों को ध्यान में रखते हुए रखा गया। जिसके चलते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपने उद्घाटन भाषण में महिलाओं और लड़कियों को कैसे जागरूक और सशक्त बनाया जाए पर जोर दिया। इसके साथ महिलाओं के अधिकारों, समानता उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्तिकरण के नेतृत्व की नींव रखी गई। उन्होंने "वसुधैव कुटुंबकम" की अवधारणा को सशक्त करते हुए महिलाओं को राष्ट्र और समाज की धुरी बताया। मोदी जी ने कहा कि महिलाओं की समान भागीदारी के बिना वैश्विक विकास संभव नहीं है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने से आर्थिक वृद्धि में तेजी आती है और सामाजिक न्याय भी सुनिश्चित होता है। जी-२० का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना, लैंगिक वेतन अंतर को कम करने, एवं महिलाओं के लिए कार्य में उनके लिए अवसर बढाने जैसी बातों पर जोर दिया गया। इसी के साथ महिला यौन उत्पीड़न, हिंसा, एवं लैगिंग भेदभाव आधारित घटनाओं को जड़ से खत्म करने की बात की गयी। वो कहते है ना – "एक शिक्षित नारी, सब पर भारी" इस कहावत से यह बात सिद्ध होती है कि अगर "एक स्त्री पढ़ती है तो उसकी सात पीढ़ियां शिक्षित हो जाती हैं"। यानी आने वाली पीढ़ियों में भी शिक्षा का बीज-रोपन हो जाता है। नारी का शिक्षित होना, उसके "उज्जवल भविष्य की नींव रखने जैसा" होता है। जी-२० सम्मेलन में "वुमन-लैड डेवलपमेंट" यानी महिला सशक्तिकरण गठबंधन की स्थापना की गई, जिसके चलते महिलाओं को नेतृत्व, शिक्षा व समाज को आगे बढाने के लिए वैश्विक स्तर पर देखा गया। महिला सशक्तिकरण का मुख्य उद्देश्य महिलाएं समाज में पुरुषों के बराबर अधिकार शक्ति व निर्णय लेने की क्षमता रखती है। सशक्त महिला एवं शिक्षित महिला ही जीवन में सही-गलत, स्वास्थ्य, जीवनशैली एवं करियर आदि आने वाली जीवन की चुनौतियों का स्वतंत्र रूप से सामना कर सके, इस मुकाम तक स्त्री-सशक्तिकरण को पहुंचाना है। भारत में आज भी जाति व्यवस्था, सती प्रथा, पर्दा प्रथा, पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण, बहुविवाह, एवं तालाक जैसी बुरी प्रथाएँ महिलाओं को कही ना कहीं आगे नहीं बढ़ने देती है। महिलाओं को सिर्फ घर की चार दीवारी में रह कर पुरुषों पर आधीन द्वितीय श्रेणी का नागरिक बना दिया गया है।

बीज शब्द: जी-२० | भारत शिखर सम्मेलन | मृदुला गर्ग | वुमन-लैड डेवलपमेंट | महिला सशक्तिकरण | महिला अधिकार | लैंगिक समानता | समावेशी वैश्विक विकास | वसुधैव कुटुम्बकम् |

जी-२० बैठक में महिला मुद्दों पर विचार:

भारत के नेतृत्व में जी-२० शिखर सम्मेलन में कई ऐसे प्रस्ताव पारित किए गए जो महिलाओं के हित के लिए उनके अधिकार, महिला सशक्तिकरण को अत्याधिक बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। इसी के चलते समाज में बढ़ रहे लैंगिक समानता, महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न योजनाएँ एवं पहलुओं पर चर्चा की गई जो महिलाओं के लिए "दीये में तेल" डालने के समान था। महिलाओं की समाज में स्थिति को मजबूत करने कें लिए प्रयास किए गए एवं चर्चा की गई।

१. महिलाओं की आर्थिक भागीदारी:

महिलाओं के उत्थान के लिए ऑनलाईन या डिजिटल उपकरणों की जानकारी प्राप्त होने के साथ-साथ उनके लिए बेहतर डिजिटल बैंकिंग, स्टार्टअप्स और महिला उद्मियता को प्रोत्साहन करने के लिए आर्थिक संसाधनों और निवेश की व्यवस्था का होना।

- **शिक्षा और डिजिटल समावेशन -** महिलाओं का वर्चस्व विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित जैसे भावी विषयों में भागीदारी होने के लिए नीति निर्माण का होना।
- **स्वास्थ्य और सुरक्षा -** महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं जैसे स्वास्थ्य सेवाओं को हर नारी तक सुनिश्चित करने पर बल दिया गया जिसमें मातृत्व स्वास्थ्य, पोषण, एवं लैंगिक समानता को बढावा देने के लिए महिलाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर प्रयास।
- **लैगिंक न्याय -** महिला हमेशा से किसी ना किसी हिंसा का शिकार हुई है। जिसमें लैंगिक भेदभाव, समान वेतन और घरेलू हिंसा जैसी अनेको समस्याओं से निपटने के लिए कुछ सख्त कानूनों की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

२. मृदुला गर्ग के उपन्यासों के संदर्भ में नारी मुद्दों:

श्रीमती मृदुला गर्ग जी हिन्दी साहित्य जगत की सुप्रसिद्ध लेखिका एवं कथाकार है। जिन्होंने अपने उपन्यासों के माध्यम से महिलाओं के मुद्दों को न केवल संवेदनशीलता से उठाया है, बल्कि सामाजिक ढांचे में उनकी भूमिका को एक नया आयाम प्रदान किया। उन्होंने अपने लेखन में मुख्य रूप से महिलाओं के संघर्ष, आत्मनिर्भरता, आत्मबल और सामाजिक रूढ़ियों में "टकराव का जीवंत चित्रण" प्रस्तुत किया है।

- **चितकोबरा और लैंगिक समानता -** मृदुला गर्ग जी द्वारा लिखित एवं बहुचर्चित उपन्यास चितकोबरा में नायिका समाज द्वारा निर्धारित मानकों को तोड़कर अपने अस्तित्व की तलाश करती है। जी-२० सम्मेलन में जिस प्रकार से महिला नेतृत्व और लैंगिक समानता की बात की गई है, वह इस उपन्यास की केंद्रीय थीम से मेल खाती है। आज भी महिलाएं अपनी आर्थिक एवं स्वतंत्र पहचान के लिए निरंतर संघर्ष करती नजर आ रही है, ठीक वैसे ही जैसे उपन्यास की नायिका अपने जीवन के अधिकारों के लिए समाज से टकराती है।
- **अनित्य और समकालीन महिला मुद्दे -** हमें अनित्य उपन्यास में विवाह, प्रेम और स्त्री - पुरुष संबंधों की एक नई दृष्टि देखने को मिलती है। जैसे भारत में महिलाओं के लिए "वुमन-लैड डेवलपमेंट" जैसी पहल जरूरी है

ताकि वे अपनी पहचान और मुकाम हासिल कर सके, ठीक वैसे ही जैसे उपन्यास में नायिका अपनी अस्मिता की खोज करती है।

- **कठगुलाब और महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता -** कठगुलाब उपन्यास में नायिका अपने पांरपरिक जीवन को छोड़कर आत्मनिर्भर बनने का निर्णय लेती है। यह विचारधारा बिल्कुल वैसी ही जान पड़ती है जैसे प्रधानमंत्री मोदी जी ने जी-२० सम्मेलन में महिला उद्यमिता के दौरान प्रस्तुत की थी।

३. वर्तमान में महिलाओं की स्थिति:

आज भी प्राचानी काल से लेकर आधुनिक काल तक महिलाएं उपेक्षित श्रेणी मे ही रही है। आज भी भारत जैसे समाज में महिलाओं को समान अवसरों, सुविधाओं, अधिकारों व उन्नति की आवश्यकता है। घरेलू हिंसा, लिंग भेद एवं सामाजिक मुद्दे आज भी कहीं-न-कहीं महिलाओं के जीवन में बांधा डालते है। महिलाओं को अपने हक, सम्मान, पद-प्रतिष्ठा या जिसकी वह हकदार है इत्यादि के लिए अनेकों जतन करने पड़ते है। ताकि उसे समाज में पूर्ण रूप से आत्मसम्मान एवं स्वतंत्रता से जीने के लिए संघर्ष ना करना पड़े। आत्मनिर्भर, नारी देश की नींव को मजबूत बनाती है। "पढ़ेगी नारी, तभी तो आगे बढ़ेगी नारी" वाली बात सच है।

- पितृसत्ता, लैंगिक भेदभाव एवं घरेलू हिंसा नामक सोच आज भी महिलाओं को आगे बढने से कहीं-न-कही रोकती है। जिसके चलते आज भी महिलाओं को पुरुषों की तुलना में कम अवसर दिए जाते हैं। जिसके कारण उन्हें कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
- शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा जैसी सुविधाएं समय पर न मिलने के कारण आज भी महिला "बैसाखी के सहारे" सी लाचार और बेबस दिखाई पड़ती है। शिक्षा, रोजगार और नेतृत्व में आज भी महिलाओं की भागीदारी कही न कही अपेक्षाकृत कम है।

जी-२० भारत शिखर सम्मेलन में पारित प्रस्ताव और लेखिका मृदुला गर्ग जी के उपन्यासो के माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि जब तक महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से बराबरी का अधिकार नहीं मिलेगा, तब तक संपूर्ण विकास संभव हो ही नहीं सकता। जी-२० में महिला के सशक्तिकरण के साथ-साथ उनका बेहतर विकास महिलाओं का नेतृत्व वाला सिद्ध होना चाहिए जिसके परिणाम स्वरूप महिलाओं के विकास और परिवर्तन में सहायता मिल सके। जी-२० शिखर सम्मेलन २०२३ ने महिला सशक्तिकरण के लिए एक मजबूत मंच तैयार किया, जिसके चलते महिलाओं के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता को प्राथमिकता दी जा सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का "वुमन-लैड डेवलपमेंट" का विजन और लेखिका मृदुला गर्ग की साहित्यिक नायिकाओं का संघर्ष एक-दूसरे के पूरक है। आज आवश्यकता है कि समाज इन विचारों को आत्मसात करें और महिलाओं को समान अवसर प्रदान कर एक सशक्त भारत की नींव रखे।

महिला सशक्तिकरण के लिए भारत सरकार और राज्य सरकार की प्रमुख नीतियाँ एवं योजनाएँ:

जी-२० भारत शिखर सम्मेलन २०२३ में महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता पर दिए गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मादी के विचारों को लागू करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने कई योजनाएं चलाई है। ये योजनाएँ आर्थिक आत्मनिर्भरता, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और नेतृत्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाई गई है। जो इस प्रकार से है-

केंद्र सरकार की प्रमुख नीतियाँ एवं योजनाएँ:

१. **बेटी बचाओ, बेटी पढाओ योजना -** इस योजना के तहत बालिकाओं के जन्म एवं उनकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी। जिसका उद्देश्य राज्यों में "सुकन्या समृद्धि योजना" के तहत बालिकाओं को आर्थिक सहायता दी गई एवं बालिकाओं के प्रति समाज में सकारात्मक सोच को पैदा करना था।

२. **राजीव गांधी योजना -** इस योजना के तहत बालिकाओं की उच्च-शिक्षा एवं स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उनमें पोषण एवं पौष्टिक भोजन जैसी स्वास्थ्य संबंधी सेवाएँ प्रदान की जाती है।

३. **कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय योजना -** इस योजना के तहत बालिकाओं को उच्चशिक्षा के अवसर प्रदान करवाने एवं शिक्षा में उन्हें और बेहतर कैसे बनाया जाए के लिए चलाई गई।

४. **प्रधानमंत्री उज्जवला योजना -** इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण इलाकों एवं पिछडे-इलाकों में रहने वाले बी.पी.एल. परिवारों की महिलाओं को रसोई में चूल्हे पर रोटियां बनाने जिसके कारण उन्हें धुएँ से होने वाले नुकसान से बचाया जा सके। ऐसे परिवारों को मुफ्त में गैस कनेक्शन एवं सब्सिडी वाले गैस सिलेंडर प्रदान किए गए। इसी के कारण लाखों महिलाओं को लकड़ी और कोयले के धुएँ से मुक्त किया गया।

५. **स्टेम (STEM) में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 'गति' योजना –** 'गति' योजना के तहत (STEM) स्टेम क्षेत्रों में लैंगिक समानता एवं समावेशी भविष्य को बढ़ावा देने के साथ-साथ महिलाओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित जैसे विषयों में महिलाओं की भागीदारी एवं उनको सशक्त बनाने के लिए काम किया गया है।

६. **महिला शक्ति योजना -** महिला शक्ति योजना को प्रधानमंत्री महिला शक्ति योजना के नाम से भी जाना जाता है। जिसके तहत महिलाओं को कैसे सशक्त बनाया जाए एवं उनके कौशल विकास, डिजिटल साक्षरता, स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा एवं रोजगार जैसी सेवाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। गाँव और जिला स्तर पर महिला हेल्पडेस्क और परामर्श केंद्र स्थापित कर डिजिटल साक्षरता एवं बेहतर कौशल जैसे अवसरों तक पहुँच प्रदान करना है।

७. **महिला मुद्रा योजना -** महिला मुद्रा योजना के तहत महिला उद्यमिता को बढावा देना इस योजना का मुख्य कारण रहा है। इस स्कीम के अंतर्गत महिला लोन लेकर नए बिजनेस एवं नवीनतम टेक्नोलॉजी के लिए नए टूल्स का उपयोग मौजूदा बिजनेस को आधुनिकीकरण करने के लिए किया जाता है। महिलाओं द्वारा शुरू किए गए छोटे से व्यवसायों के लिए ही एक प्रकार की वित्तीय सहायता है। महिलाएं मुद्रा स्कीम के तहत ६५ वर्ष एवं न्यूनतम आयु १८ वर्ष के चलते लोन उठा सकती है।

राज्य सरकारों की प्रमुख योजनाएँ:

राज्य सरकारें भी अपने स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में कई योजनाएँ चलाती है। उनका मुख्य उद्देश्य महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके जिसके चलते ये योजनाएँ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, सामाजिक एवं आर्थिक विकास को बेहतर करने के लिए चलाई जाती है।

१. **आवास योजना -** इस योजना के तहत राज्य सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना की सुविधा "खुद का आवास होना जरूरी है" के लिए चलाई गई है। ताकि सबके पास रहने के लिए आवास हो।

२. **कृषि एवं उद्योग योजनाएं -** इस योजना के चलते राज्य सरकार कृषि क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र में सुधार और विकास के लिए योजना चलाती है।

३. **सामाजिक कल्याण योजनाएं -** इस योजना के तहत राज्य सरकार विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक कल्याण योजनाओं का निर्माण करती है जिसमें महिला सशक्तिकरण एवं बाल संरक्षण कार्यक्रमों पर जोर दिया गया है।

४. **आयुष्मान भारत योजना -** इस योजना के तहत राज्य सरकार लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सभी प्रकार की सेवाएँ प्रदान करवाती है।

५. **छात्रवृति योजनाएं -** छात्रवृति योजना विभिन्न वर्ग के होनहार छात्रों के लिए चलाई गई है। जिसमें प्री-मैट्रिक छात्रवृति, पोस्ट-मौद्रिक छात्रवृति एवं मेरिट-कम-मीन्स स्कॉलरशिप छात्रवृतियाँ छात्रों को प्रदान करवाई जाती है।

६. **शिक्षा एवं सुधार योजना -** बच्चों में शिक्षा की गुणवत्ता पूर्ण रूप से सुधार को ध्यान में रखते हुए इस योजना का निर्माण किया गया है।

७. **स्वच्छ भारत मिशन -** इस योजना के तहत विभिन्न क्षेत्रों में चाहे व ग्रामीण है या शहरी स्वच्छता रखना ही इस मिशन का मूल आधार है। कूड़ा-करकट का जगह-जगह पर ढेर न लगाएं "कुडेवाला आया घर से कचरा निकाल" का नारा लगाता बल्कि "स्वच्छ भारत मिशन" वाले ट्रक का मूल उद्देश्य यही है।

निष्कर्ष:

जी-२० भारत शिखर सम्मेलन २०२३ में जिन मुद्दों पर ध्यान दिया गया, वे सभी इस योजना में परिलक्षित होते है। प्रधानमंत्री श्रीमान नरेन्द्र मोदी जी का "वुमन-लैड डेवलपमेंट विजन" इन योजनाओं के माध्यम से वास्तविकता बन रहा है। उन्होंने अपने भाषण में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का विकास, उनकी बेहतर शिक्षा के चलते वैश्विक प्रगति का विकास तय है। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं का नेतृत्व समावेशी विकास को भी प्रगति प्रदान करता है। महिलाओं का विकास करना चाहते हैं तो उनके नेतृत्व का विकास हम सब को मिलकर करना होगा। जैसे भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी महिला सशक्तिकरण का जीता-जागता आदर्श उदाहरण है। जो कि एक साधारण आदिवासी पृष्ठभूमि से तालूकात रखने वाली साधारण सी महिला आज दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र एवं सबसे बड़ी सेना के कमांडर-इन-चीफ के रूप में अपना नेतृत्व प्रदान कर रही है। इससे बेहतरीन उदाहरण महिला सशक्तिकरण के लिए शायद नहीं हो सकता है। लेखिका मृदुला गर्ग जी के उपन्यासों की नायिकाएँ जिस स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता की तलाश करती है, वह इन सरकारी योजनाओं की सफलताओं में स्पष्ट दिखाई देती है।

लेखिका मृदुला गर्ग जी के उपन्यासों की महिलाएं निडर और साहसी किस्म की पाई गई है। वह डरना नहीं जानती बल्कि अपने हालातों से कैसे निपटना है बखूबी जानती है। इसी प्रकार सरकारी नीतियों को अपनाते हुए महिलाओं के प्रति सोच में बदलाव लाकर ही "एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत" का निर्माण संभव है। भारत जी-२० की अध्यक्षता का विषय – "वसुधैव कुटुंबकम" जो कि एक पृथ्वी, परिवार एवं भविष्य का निर्माण वैश्विक स्तर पर टिकाऊ, समावेशी और मानव हित पर केंद्रित विकास की ओर इशारा करता है।

संदर्भ सूची:

१. अग्नि ऑनलाइन: लेखिका मृदुला गर्ग। (२०१८, ८ जुलाई)। मूल से पुरालेखित। १६ जनवरी २०२५ को लिया गया।
२. ट्रिब्यून इंडिया। (२०१६, १५ नवंबर)। अग्निशेखर, मृदुला को मिलेगा मीरा स्मृति सम्मान। ट्रिब्यून समाचार सेवा। २१ मई २०२५ को लिया गया।
३. बालोतरा न्यूज़। (२०२४, २१ सितंबर)। जी२० की अध्यक्षता में भारत ने ८००० करोड़ रुपए से अधिक फूंके, कनाडा से रिश्ते बिगड़े। अमेरिका अंग्रेज़ी में। २१ मई २०२५ को लिया गया।
४. इंटर प्रेस सर्विस। (२०२४, ९ सितंबर)। जी-२० के वित्त मंत्री सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। २१ मई २०२५ को लिया गया।
५. वेब.archive.org। (२०२०, १४ मई)। जी-२० क्या है | जी२० फाउंडेशन। १५ मई २०२५ को लिया गया।
६. वेब.archive.org। (२०१४, ३ फरवरी)। जी-२० सदस्य | जी२० २०१४। १५ मई २०२५ को लिया गया।
७. ग्लोबल सॉल्यूशंस इनिशिएटिव | ग्लोबल सॉल्यूशंस समिट। जी-२०-इंसाइट्स मुखपृष्ठ। (अमेरिकी अंग्रेज़ी में) १५ मई २०२५ को लिया गया।
८. टाइम्स ऑफ इंडिया। (२०१८, ३ मई)। प्यार में महिलाएं कहीं ज्यादा निडर होती हैं: मृदुला गर्ग। १५ मई २०२५ को लिया गया।
९. टाइम्स ऑफ इंडिया। (२०२०, १ अगस्त)। विशेष: मृदुला गर्ग द्वारा 'मैं कोरोना के समय में खुद से बात करती हूं'। १५ मई २०२५ को लिया गया।
१०. गर्ग, मृदुला। (२००४)। अनित्य। नई दिल्ली: नेशनल पब्लिशिंग हाउस।
११. गर्ग, मृदुला। (२००९)। कठगुलाब। नई दिल्ली: भारतीय ज्ञानपीठ।
१२. गर्ग, मृदुला। (१९८१)। चित्तकोबरा। नई दिल्ली: नेशनल पब्लिशिंग हाउस।
१३. गर्ग, मृदुला। (२०१०)। मृदुला गर्ग की यादगारी कहानियाँ। नई दिल्ली: हिन्दी पॉकेट बुक्स।
१४. गर्ग, मृदुला। (२०१२)। मेरे साक्षात्कार। (विज्ञान भूषण, संयोजक)। नई दिल्ली: किताब घर प्रकाशन।
१५. गर्ग, मृदुला। (२०१५)। वो दूसरी। इलाहाबाद: साहित्य